INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI (2nd lang.)	Department: Hindi	Class work
पाठ-3 पहली बूँद	Topic -प्रश्नोत्तर तथा व्याकरण भाग	Note: Pl. write in your note book.

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'पहली बूँद' कविता में अंकुर किसका प्रतीक है?

उत्तर= 'पहली बूँद' कविता में अंकुर नए जीवन का प्रतीक है।

प्रश्न 2. 'पहली बूँद' कविता में किसके अधरों की बात की है?

उत्तर= 'पहली बूँद' कविता में धरती के अधरों की बात की है।

प्रश्न 3. ग्रीष्म ऋतु के बाद कौन-सी ऋतु आती है?

उत्तर= ग्रीष्म ऋतु के बाद वर्षा ऋतु आती है।

प्रश्न 4. 'पहली बूँद' कविता के रचयिता कौन हैं?

उत्तर= 'पहली बूँद' कविता के रचयिता गोपालकृष्ण कौल हैं।

प्रश्न 5. पावस का प्रथम दिन कब था?

उत्तर= जब पहली बार वर्षा की बूँदें धरती पर आई थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. बारिश होने पर बादल कैसे दिखाई पड़ते हैं?

उत्तर= बारिश होने पर बादल काले-घने दिखाई पड़ते हैं जो पूरे आकाश में छा जाते हैं और आकाश को ढक लेते हैं। वे अपनी गर्जन से वर्षा का संदेश देते हैं।

प्रश्न 2. धरती को 'बूढ़ी' कहने का क्या तात्पर्य है?

उत्तर= जब वर्षा से पहले गर्मी और सूखे के कारण धरती में दरारें पड़ जाती हैं, तब वह थकी हुई और बेजान दिखाई देती है। इसी सूखेपन को कवि ने 'बूढ़ी' धरती कहा है।

प्रश्न 3. पहली बूँद (कविता) के अनुसार किसने अँगड़ाई ली?

उत्तर= पहली बूँद कविता के अनुसार नव जीवन ने धरती पर अँगड़ाई ली अर्थात् नए पौधे वर्षा के कारण अंकुरित होकर ज़मीन से बाहर निकले थे।

प्रश्न 4. 'पहली बूँद' के आने से पहले धरती की क्या स्थिति थी?

उत्तर= वर्षा की पहली बूँद आने से पहले धरती गर्मी से बहुत तप रही थी। पूरी धरती प्यासी थी और उसके होंठ प्यास से सूख रहे थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. वर्षा की पहली बूँद से धरती की प्रसन्नता किस प्रकार प्रकट होती है?

उत्तर= वर्षा की पहली बूँद गिरने से धरती बहुत खुश हो जाती है। धरती से खुशबू आने लगती है। धरती को नया जीवन मिल जाता है। चारों ओर हरी घास और पौधे लहलहाने लगते हैं, जिससे धरती पर हरियाली छा जाती है।

प्रश्न 2. कविता में नगाड़े बजने की ध्वनि के समान किसे कहा गया है?

उत्तर= कविता में बादलों के गरजने की आवाज़ को नगाड़े बजने की ध्वनि के समान कहा गया है। जिस प्रकार उत्सव या खुशी के मौके पर नगाड़े बजाए जाते है, उसी प्रकार बारिश आने से पहले बादल भी नगाड़ों के समान ज़ोर से गरजते हैं।

………………………………………………………..

व्याकरण भाग

प्रश्न 1. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए|

दिवस - दिन, वार	कमल - पंकज, नीरज
धरती - भूमि, धरा	आसमान - नभ, आकाश
बादल - घन, मेघ	किनारा - तट, तीर
अग्नि - आग, अनल	कपड़ा - वस्त्र, चीर

प्रश्न 2. दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए|

जीवन - मरण	धरती - आकाश
पहली - अंतिम	बूढ़ी - युवती
अमृत - विष	दिवस - रात्रि
हिंसा - अहिंसा	छोटा - बड़ा
दिन - रात	आज - कल

प्रश्न 3. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए|

जो कृषि का काम करता हो	-	कृषक
जो आलस करता हो	-	आलसी
जिसका कभी जन्म न होता हो	-	अजन्मा
जिसका कोई कारण न हो	-	अकारण
परिश्रम करनेवाला	-	परिश्रमी
जिसके आने की तिथि निश्चित न हो	-	अतिथि
जिसका अंत न हो	-	अनंत
जो कभी न मरे	-	अमर

****

शब्दार्थः

पावस: वर्षा ऋतु

धरा / वसुंधरा: धरती

अंकुर: बीज का फूटना, प्रारंभिक स्वरूप

नव: नया

अँगड़ाई: शरीर का तानना

अधर: होंठ

रोमावलि: रोमों की पंक्ति की तरह

दूब: हरी घास

पुलकी: जिसे रोमांच हुआ हो

स्वर्णिम: सुनहरे

पर: पंख

नगाड़े: एक प्रकार का वाद्ययंत्र, डंका

तरुणाई: यौवनता

नयन: आँख, नेत्र

अंबर: आकाश

जलधर: बादल

करुणा-विगलित: दुखों से दुखित होकर, पिघली हुई

चिर-प्यास: बहुत दिनों की प्यास

शस्य-श्यामला: हरी-भरी

****

मेरा प्रिय मित्र / मेरी प्रिय सहेली

मेरा प्रिय मित्र रोहन है। वह बहुत ही अच्छा और समझदार लड़का है। वह मेरे साथ ही पढ़ता है और हम रोज़ स्कूल साथ जाते हैं। वह हर बार कक्षा में प्रथम आता है और पढ़ने में मेरी मदद भी करता है। हमारे विद्यालय के अध्यापक भी उसकी बहुत तारीफ़ करते हैं। रोहन पढ़ाई में बहुत होशियार है और वह समय पर अपना काम करता है| वह हमेशा मेरी मदद करता है। वह खेल-कूद में भी आगे रहता है। उसे क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। मेरे मित्र का स्वभाव बहुत ही अच्छा है। वह सदा बड़ों का आदर करता है। रोहन सच्चा और ईमानदार मित्र है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि हमारी मित्रता हमेशा बनी रहे।

....